



कारखाना जहाज का अर्थ है अनुच्छेद 5 के खंड (च) और (छ) में उल्लिखित उत्पादों से विशेष तौर पर जहाज पर ही निर्मित करने और/अथवा बनाने के लिए यथा परिभाषित प्रयुक्ति पोत;

एफ औ बी का अर्थ है पत्तन पर अथवा विदेश जाने वाले जहाज पर अंतिम लदान के स्थल पर परिवहन के साधन को छोड़कर जहाज पर निःशुल्क माल का मूल्य;

माल का अर्थ है सामग्रियाँ और उत्पाद दोनों;

एकीकृत प्रणाली का अर्थ है ऐसी नामावली जो अध्याय और तदनुरूपी संख्या कोड, खंड नोट तथा अध्याय नोट और उनकी व्याख्या के लिए सामान्य नियमावली सहित एकीकृत वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली बनाती है।

उत्पादन का अर्थ है संघटन अथवा विशिष्ट संचालन सहित किसी भी प्रकार का कार्यकरण अथवा कार्यवाही;

सामग्री का अर्थ है कच्ची सामग्रियाँ, अवयव, भाग, संघटक, संघटन और/अथवा माल जिन्हें भौतिक रूप से अन्य माल के साथ मिलाया जा सके अथवा जिनका अन्य माल के उत्पादन के लिए कार्यवाही में प्रयोग किया जा सके;

उत्पाद का अर्थ है उत्पादित किया जा रहा उत्पाद चाहे बाद में इसका उपयोग अन्य उत्पादन संचालन में ही क्यों न हो;

क्षेत्र का अर्थ है:

(क) भारत के मामले में क्षेत्रीय जल और क्षेत्रीय जल के ऊपर हवाई स्थल तथा विशिष्ट आर्थिक जोन और कंटिनेंटल शेल्फ सहित मेरिटाईम जोन जिनके ऊपर प्रचलित भारतीय विधानों, समुद्र विधान और अंतर्राष्ट्रीय विधान पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुसार भारत गणराज्य की संप्रभुता उनपर प्रभु अधिकार अथवा विशिष्ट क्षेत्राधिकार हो; और

(ख) चाईल के मामले में भूमि, मेरिटाईम और हवाई स्थल जो इसकी संप्रभुता के अंतर्गत हो और विशिष्ट आर्थिक जोन और कंटिनेंटल शेल्फ जिसके अंतर्गत यह अंतर्राष्ट्रीय विधान और इसके राज्य विधान के अनुसार संप्रभु अधिकारों और क्षेत्राधिकार का प्रयोग करता है; और

पोत का अर्थ है कोई भी जहाज जो वाणिज्यिक मछुवाही अथवा समुद्रीय उत्पादों (मछा समुद्र में) के वाणिज्यिक लाभ में संलग्न है और किसी पक्षकार के नाम पंजीकृत है और अपना ध्वज फहरा रहा है और कम से कम 50% हिस्सा नागरिकों, निगम अथवा पक्षकार की सरकार के पास है।

## खंड-II

### माल के उत्पादन के लिए मानदंड

#### नियम-3

#### सामान्य आवश्यकताएं

- इस करार के कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित माल को पक्षकार की ओर से उत्पादित समझा जाएगा;

(क) जैसा कि इन नियमों के अनुच्छेद ५ में परिभाषित किया गया है पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त माल;

(ख) पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया नहीं उत्पादित माल, बशर्ते कि उक्त उत्पाद इन नियमों के नियम ७ और या नियम ४ के साथ पठित नियम ६ के अंतर्गत आते हों।

नियम-४  
मूल का संज्ञयन

किसी भी पक्षकार के क्षेत्र में उत्पादित माल का जब प्रयोग निविष्टि के रूप में दूसरे पक्षकार के क्षेत्र में शोधित उत्पाद<sup>२</sup> लिए किया जाता है तो उसे बाद में आने वाले पक्षकार के क्षेत्र में उत्पादित समझा जाएगा।

नियम-५  
पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त उत्पाद

निम्नलिखित को पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त समझा जाएगा:

(क) किसी भी पक्षकार के क्षेत्रीय समुद्र केटिनेंटल शेल्फ अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित उसके मृदा अथवा अवमृदा से प्राप्त खनिज उत्पाद;

(ख) अपने क्षेत्रीय समुद्रों, केटिनेंटल शेल्फ अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित वहाँ उगाए गए, फसल काटे गए, चुने गए अथवा एकत्र किए गए पौधे<sup>३</sup> और पौधों के उत्पाद;

(ग) एकवाकल्पर द्वारा और अन्यथा वहाँ पैदा किए गए और पाले गए पशु;

(घ) उपर्युक्त (ग)<sup>३</sup> में यथा उल्लिखित पशुओं से उत्पाद;

(ड.) अपने देश के जल, क्षेत्रीय समुद्रों, केटिनेंटल शेल्फ अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित वहाँ शिकार कर, फंसाकर, संग्रहित कर, मधुवाही कर अथवा और पकड़कर प्राप्त किए गए पशु और उनके उत्पाद;

(च) अनुच्छेद-२ में यथा परिभाषित पोतों द्वारा महासमुद्र से प्राप्त समुद्रीय मछली के उत्पाद तथा अन्य समुद्रीय उत्पाद;

(छ) विशिष्ट तौर पर उप पैसा (ड.) और (च) में उल्लिखित उत्पादों में से अनुच्छेद-२ में यथा परिभाषित जहाजों पर तैयार किए गए और/अथवा बनाए गए माल;

(ज) किसी भी पक्षकार के क्षेत्र में किए गए उपयोग, उपभोग अथवा निर्माण कार्यों के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले स्थी और कतरन बशर्ते कि वे कच्ची सामग्रियों की प्राप्ति के लिए उपर्युक्त हों; और

<sup>2</sup> पौधों का अर्थ वन उत्पादों, फलों, फूलों, सभ्यियों, वृक्षों, समुद्रीय बीजों और कवक सहित सभी पौधे हैं।

<sup>3</sup> पैसा (ग), (घ) और (ड.) में उल्लिखित पशु में स्तनधारियों, पक्षियों, मछली, क्रस्टेशियन, मोलक और रेंगने वाले जीवों सहित सभी पशु शामिल हैं।

(ज्ञ) किसी भी पक्षकार के क्षेत्र में विशिष्ट रूप से उपर्युक्त उप पैरा (क) से (ज) में विनिर्दिष्ट उत्पादों में से उत्पादित माल ;

**नियम-6**  
**पूर्णतया नहीं उत्पादित अथवा प्राप्त उत्पाद**

(1) अनुच्छेद-3 (ख) के लिए तैयार किए गए अथवा प्रसंस्कृत किए गए उत्पाद, जिसके परिणामस्वरूप गैर मूल वाली सामग्रियों अथवा गैर निर्धारित मूल की प्रयुक्त सामग्रियों का कुल मूल्य उत्पादित अथवा प्राप्त उत्पादों के एफ ओ बी मूल्य के 60% से अधिक नहीं होता है और उत्पादन की अंतिम प्रक्रिया निर्यातक पक्षकार के क्षेत्र में पूरी की जाती है अनुच्छेद-7 के प्रावधानों के अंतर्गत अधिमान्य समझे जाने के पात्र हैं।

(2) अधिमानता की अहंता प्राप्त करने के लिए गैर मूल वाली सामग्रियों को पर्याप्त रूप से निर्मित अथवा प्रसंस्कृत समझा जाएगा यदि प्राप्त उत्पाद को एकीकृत प्रणाली के चार अंकीय स्तर पर उन उत्पादों से भिन्न वर्गीकृत किया जाता है जिनमें इसके निर्माण के लिए प्रयुक्त सभी गैर मूल वाली सामग्रियों को वर्गीकृत किया जाता है।

(3) गैर मूल वाली सामग्रियों, उनके पूर्जे अथवा उत्पाद का सीमा शुल्क मूल्य निम्न प्रकार होगा:

(क) सामग्रियों, उनके पूर्जे अथवा उत्पाद के आयात के समय सी आई एफ मूल्य जिसे साबित किया जा सकता है; अथवा

(ख) पक्षकार के उस क्षेत्र में जहाँ अंतिम माल का निर्माण अथवा प्रसंस्करण होता है, सामग्रियों, उनके पूर्जे अथवा उत्पाद के लिए भुगतान किया गया पूर्व निर्धारित मूल्य ।

(4) गैर निर्धारित मूल की सामग्रियों, उनके पूर्जे अथवा उत्पाद का मूल्य पक्षकार के उस क्षेत्र में उनके लिए भुगतान किया गया पूर्व निर्धारित मूल्य होगा जहाँ अंतिम माल का निर्माण अथवा प्रसंस्करण होता है।

(5) जोड़े गए 40% मूल्य का सूत्र निम्न प्रकार है:

गैर मूल की सामग्रियाँ	अनिर्धारित मूल की
पूर्जे अथवा उत्पाद	सामग्रियाँ, पूर्जे
का सीमा शुल्क मूल्य	अथवा उत्पाद का मूल्य

x 100% < 60%

अंतिम उत्पाद का एफ ओ बी मूल्य

**नियम-7**  
**मूल का दर्जा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त समझी गई प्रक्रियाएँ अथवा संचालन**

ऐसे उत्पादों के मामले में जिनमें गैर मूल की सामग्रियाँ हैं, निम्नलिखित संचालनों को अन्य के साथ-साथ मूल उत्पाद का दर्जा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त कार्य अथवा प्रसंस्करण समझा जाएगा, चाहे अनुच्छेद-6 की आवश्यकताएँ पूरी की गई हों अथवा नहीं ।

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि पंसिहन और भंडारण के दौरान उत्पाद अच्छी हालत में हों संरक्षण कार्य जैसे, वातन, शुष्कन, प्रशीतन, नमकीन अथवा सल्फर युक्त जल में अथवा अन्य पदार्थ युक्त जल में निमज्जन, क्षतिग्रस्त पूर्जे को निकालना तथा ऐसे ही अन्य कार्य;

(ख) जल अथवा किसी अन्य पदार्थ में धोलना जो उत्पाद के गुणों को अधिक नहीं बदलता है;

(ग) धूल निकालना, छानना, जाँच करना, छॉटना, वर्गीकृत करना, ग्रेडिंग करना, मिलान करना, धोना, रंगना, कूटना, बीज निकालना, कतरना और काटना जैसे साधारण कार्य;

(घ) पैकेज बदलना और विवरण देना तथा पैकेजों को मिलाना;

(ङ) बोतलों, डब्बों, फ्लास्कों, बैगों, पेटियों, बक्सों की साधारण पैकिंग, कार्डों अथवा बोर्डों पर चिपकाना तथा अन्य सभी साधारण पैकेजिंग कार्य;

(च) उत्पादों अथवा उनकी पैकेजिंग पर चिन्हों, लेबलों, लोगों और अन्य ऐसे ही यहचान वाले चिन्हों को चिपकाना अथवा मुक्ति करना;

(छ) ऑक्साईड, तेल, पेट अथवा अन्य परतों को हटाने सहित साधारण सफाई;

(ज) एकीकृत प्रणाली के सामान्य नियम 2क के अनुसार एक पूर्ण सामान तैयार करने के लिए पूर्जे को जोड़ना अथवा पूर्जे में उत्पादों का विघटन करना;

(झ) पशुओं की हत्या;

(ञ) उत्पादों का साधारण मिश्रण बशर्ते कि प्राप्त उत्पाद के गुण मिश्रित उत्पादों के गुणों से अनिवार्य रूप में भिन्न नहीं हों;

(ट) तेल लगाना; और

(ठ) उपर्युक्त कार्यों में से दो अथवा अधिक का योग।

### नियम-8

#### उपकरण, पूर्जे और औजार

1. उपस्कर, मशीन, संयंत्र अथवा वाहन के साथ भेजे गए उपकरण, पूर्जे और औजार जो सामान्य उपस्कर के अंग हैं और उसकी कीमत में शामिल है अथवा जिन्हें अलग से बीजक में नहीं लिखा गया है, को मूल के रूप में समझा जाएगा यदि माल का मूल है और यह निर्धारित करते समय उनपर विचार नहीं किया जाएगा कि माल के उत्पादन में प्रयुक्त सभी गैर मूल की सामग्रियों पर टैरिफ वर्गीकरण में लागू परिवर्तन कार्यान्वित किया जाएगा अथवा नहीं, बशर्ते कि:

(क) उपकरणों, पूर्जों अथवा औजारों को बीजक में अलग से नहीं लिखा गया हो अले ही बीजक में उनका पृथक रूप से ब्यौरा हो;

## (ख) अनुषंगी, पुर्जो अथवा औजारों की मात्रा और मूल्य

2. प्रत्येक पक्ष यह व्यवस्था करेगा कि यदि कोई माल किसी क्षेत्रीय मूल्य सन्निहित आवश्यकता के अध्यधीन है तो माल के क्षेत्रीय मूल्य सन्निहितता की संगणना में अनुषंगियों पुर्जों अथवा औजारों के मूल्य को उद्गमित अथवा गैर उद्गमित सामग्री, जैसा भी मामला हो, के रूप में शामिल किया जायेगा।

### नियम-9

#### समरूप सामग्री

1. जहाँ खान से निकाली गई उद्गम सामग्री सहित समरूप और अंतरपरिवर्तनीय उद्गमित और गैर-उद्गमित सामग्रियों का किसी उत्पाद के विनिर्माण सामग्रियों का किसी उत्पाद के विनिर्माण में प्रयोग किया जाता है तो उस सामग्री को भण्डारण के दौरान उद्गम के अनुसार वास्तविक रूप से अलग किया जायेगा।

2. कोई उत्पादक किसी उत्पाद के विनिर्माण में प्रयोग में ली गई खान से निकाली गई उद्गम सामग्री सहित समरूप और अंतरपरिवर्तनीय उद्गमित और गैर उद्गमित सामग्री के अलग स्टॉक को रखने में काफी लागत अथवा सामग्रीगत कठिनाइयों का सामना कर रहा है तो स्टॉक के प्रबंधन के लिए कथित 'लेखांकन पृथक्करण' पद्धति का उपयोग किया जाये।

3. लेखांकन पद्धति को उस पक्ष जिसमें उत्पाद का विनिर्माण हुआ है, में लागू सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार रिकार्ड, लागू और अनुस्काण किया जायेगा। चुनी गई पद्धति में:

(क) अभिगृहीत खाने से निकाली गई उद्गम और /अथवा स्टॉक में रखी गई सामग्री सहित उद्गमित और गैर उद्गमित सामग्री के बीच स्पष्ट विभेद की अनुमति होनी चाहिए; और

(ख) यह गारंटी होनी चाहिए कि उद्गम की प्रस्थिति प्राप्त करने वाला कोई उत्पाद तब तक कोई मामला नहीं होगा यदि सामग्री का वास्तविक रूप से पृथक्करण किया गया हो।

4. इस सुविधा का उपयोग करने वाला उत्पाद उद्गमित के रूप में विचार करने वाले उत्पादों की मात्रा के लिए शपथ घोषणा प्रस्तुत करेगा और सामग्रियों के उद्गम के सभी दस्तावेजी साक्ष्य रखेगा। निर्यात करने वाले पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों के अनुरोध पर उत्पादक इस बात की संतोषजनक सूचना देगा कि स्टॉक का कैसे प्रबंध किया जाता है।

5. सक्षम प्राधिकारी अपने निर्यातकों से यह अपेक्षित है कि इस अनुच्छेद में प्रावधान किये गये अनुसार स्टॉक के प्रबंधन के लिए पद्धति का अनुप्रयोग पूर्व प्राधिकार के अध्यधीन होगा।

### नियम-10

#### सैट

सुमेलित प्रणाली के सामान्य नियम 3 में दी गई परिभाषा के अनुसार सैट तब उद्गमित के रूप में माने जायेगा जब सभी संघटक उत्पाद उद्गमित हो रहे हों। जब कभी उद्गमित और गैर उद्गमित माल का कोई सैट तैयार किया जाता है तो सैट को समग्ररूप से उद्गमित माना जायेगा, बशर्ते सैट के संगठन में प्रयुक्त गैर-उद्गमित माल का सी आई एफ मूल्य सैट के एफ ओ बी मूल्य का 15% से अधिक न हो।

### नियम-11

#### खुदरा बिक्री के लिए पैकेज और पैकिंग सामग्री

1. खुदरा बिक्री के लिए पैकेज और पैकिंग सामग्री को सुमेलित प्रणाली के सामान्य नियम 5(ख) के अनुसार जब पैकेज किये गये उत्पाद के साथ वर्गीकृत किया जाता है, शामिल नहीं किया जायेगा चाहे किसी उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त सभी गैर उद्गमित सामग्री उक्त उत्पाद के टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन के लिए सदृश मानदंड पूरा करता हो ।
2. यदि उत्पाद मूल्यानुसार प्रतिशत मानदंड के अध्यधीन है तो खुदरा बिक्री के लिए पैकेजों और पैकिंग सामग्री के मूल्य को उस मामले में इसके मूल निर्धारण में शामिल नहीं जायेगा वे प्रश्नगत माल के साथ सीमा शुल्क प्रयोजनों के लिए एक होने के कारण वे माने गये हैं।

### नियम-12

#### कंटेनर और दुलाई हेतु पैकिंग सामग्री

किसी उत्पाद की दुलाई के लिए अनन्यतया प्रयुक्त कंटेनर और पैकिंग सामग्री को सुमेलित प्रणाली के सामान्य नियम 5 (ख) के अनुसार किसी माल के उद्गम के निर्धारण में शामिल नहीं किया जायेगा ।

### नियम-13

#### तटस्थ तत्व अथवा अप्रत्यक्ष सामग्री

1. 'तटस्थ तत्व' 'अथवा' 'अप्रत्यक्ष सामग्री' का आशय माल के उत्पादन, परीक्षण अथवा निरीक्षण में प्रयुक्त सामग्री लेकिन जो माल अथवा भवन के रख-रखाव में प्रयुक्त पुर्जे और सामग्री;
- (क) उर्जा और ईधन;
- (ख) संयन्त्र और उपकरण;
- (ग) औजार, डाइज, मशीने और मोल्ड;
- (घ) संयन्त्र, उपकरण और भवन के रख-रखाव में प्रयुक्त पुर्जे और सामग्री;
- (ङ.) माल जो उत्पाद की अंतिम संस्थान में शामिल नहीं किया गया है;
- (च) दस्ताने, ग्लास, जूते, कपड़े, सुख्खा उपकरण और पूर्ति; और
- (छ) माल के परीक्षण और निरीक्षण के लिए प्रयुक्त उपकरण, डिवाईसेज और पूर्तियां ।

2. प्रत्येक पक्ष यह व्यवस्था करेगा कि कोई अप्रत्यक्ष सामग्री को इस बात का ध्यान रखे बिना कि यह कहाँ उत्पादित हुई है, उद्गमित सामग्री समझा जायेगा और इसका मूल्य निर्यात उत्पाद के उत्पादक के लेखांकन रिकार्ड में पंजीकृत लागत होगी ।

### नियम-14

#### प्रत्यक्ष दुलाई, पारगमन और लदान

करार के अंतर्गत व्यवस्था किये गये अधिमानक संव्यवहार से लाभ के लिए माल अथवा उत्पादों के उद्गम के लिए वे पक्षों के बीच प्रत्यक्ष रूप से दुलाई किये जायेंगे । माल अथवा उत्पादों की प्रत्यक्षतः दुलाई की जाती है, बशर्ते:

(क) उनका एक अथवा दोनों पक्षों के प्रादेशिक क्षेत्र के माध्यम से दुलाई की जाती हो;

(ख) उनका उसके सीमा शुल्क प्राधिकारियों की निगरानी के अंतर्गत ऐसे प्रादेशिक क्षेत्र में लदान अथवा अस्थाई भूमिकाएँ के साथ अथवा उसके बिना गैर पक्षों के एक अथवा एक से अधिक प्रादेशिक क्षेत्रों के माध्यम से पारगमन किया जाता है, बशर्ते कि:

- (i) पारगमन प्रविष्टि के भौगोलिक कारणों अथवा अनन्यतया दुलाई की आवश्यकताओं से संबद्ध प्रतिफल द्वारा औचित्य सिद्ध किया जाता हो;
- (ii) उनका पारगमन के देश में व्यापार, उपयोग अथवा रोज़गार के आशय से नहीं हो;
- (iii) वे उनको अच्छी हालात में रखने के लिए उत्तराई, पुनः लदान अथवा प्रकल्पित किसी संकार्य से भिन्न संकार्य नहीं किये जाते हों; और

(ग) ऐसे पारगमन की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी और ऐसे पारगमन के अंतर्गत माल पर संगत सीमा शुल्क दस्तावेज (दस्तावेजों) में आवश्यक पृष्ठांकन के माध्यम से सीमा शुल्क की निगरानी के अंतर्गत रखने का साक्ष्य हो ।

### भाग-III

#### उद्भव का साक्ष्य

#### नियम-15

#### उद्गम का प्रमाणीकरण

1. उद्गम का प्रमाणपत्र वह दस्तावेज है जो यह प्रमाणित करता है कि माल इन नियमों में नियत किये गये अनुसार उद्गम की आवश्यकताओं को पूरा करता हो ताकि वे इस करार में पहले से ज्ञात अधिमानके टैरिफ सव्यवहार का लाभ ले सकें। उक्त प्रमाणपत्र एक अथवा उससे अधिक माल और उसके मल से संबंधित केवल एक आयात संकार्य के लिए ही वैध है अथवा विशेष मामलों में मूल प्रति की प्रति आयातक पक्ष में माल की निकासी की तारीख से 30 दिन के भीतर प्रस्तुत की जाती है और उसको आयातक पक्ष के सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेजों शामिल किया जायेगा ।
2. उद्गम प्रमाणपत्र और इसके नियंत्रण का मामला प्रत्येक पक्ष के सरकारी कार्यालय की जिम्मेदारी के अंतर्गत होगा। मूल प्रमाणपत्रों को पैरा 3 में यथा उल्लिखित उन प्राधिकारियों द्वारा अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से सीधे तौर पर जारी किये जायेंगे और वे अंग्रेजी भाषा में होंगे ।
3. उद्गम प्रमाणपत्र पक्षों द्वारा दर्शाये जाने सरकारी कार्यालयों द्वारा हस्ताक्षरित और जारी किये जायेंगे जो उद्गम प्रमाणपत्रों को हस्ताक्षर करने और जारी करने का अधिकार अन्य सरकारी कार्यालयों अथवा प्रतिनिधि निगमित निकाय को सौंपे जा सकते हैं।
4. अनुवर्ती पैराग्राफ में उल्लिखित प्रमाणपत्र पक्षों द्वारा सहमत रूप में और माल के अंतिम उत्पादक द्वारा शपथ घोषणापत्र और संबद्ध वाणिज्यिक बीजक फर जारी किया जायेगा ।
5. सभी मामलों में वाणिज्यिक बीजक की संख्या और तारीख को उद्गम के प्रमाणपत्र में इस प्रयोजनार्थ आरक्षित बॉक्स में दर्शाया जायेगा ।

6. जब कोई व्यापार किये जाने वाला माल किसी गैर पक्ष संचालक द्वारा बीजक दिया जाता है तो उद्गमित पक्ष के उत्पादक अथवा निर्यातक, सम्बद्ध उद्गम प्रमाणपत्र के 'अवलोकन' के फिल्ड शीर्षक में यह सूचना देंगे कि घोषणा के अध्यधीन उक्त माल गैर पक्ष संचालक से बीजक दिया जायेगा जिसके बाद इस संचालक द्वारा जारी किये गये वाणिज्यिक बीजक से अनुवर्ती आंकड़े नाम, पता, देश, संख्या और तारीख तैयार किये जायेगे। किसी पक्ष के प्रादेशिक क्षेत्र में किये गये मूल्य जोड़ को स्थानीय मूल्य जोड़ की गणना में शामिल किया जायेगा।

### नियम-16

#### उद्गम प्रमाणपत्रों को जारी करना

1. किसी उद्गम प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए माल के अंतिम उत्पादक अथवा निर्यातक को सदृश वाणिज्यिक बीजक और एक अनुरोधपत्र जिसमें अंतिम उत्पादक द्वारा यह प्रमाणित करते हुए एक शपथ घोषणा पत्र निहित होगा कि उक्त माल इस अनुबंध के उद्गम मानदंड पूरा करने के साथ-साथ ऐसे किसी घोषणा के आवश्यक दस्तावेज होंगे।

सक्त शपथ घोषणा पत्र में कम से कम निम्नलिखित आंकड़े निहित होंगे:

- (क) व्यष्टि का नाम अथवा कंपनी का नाम;
- (ख) पता;
- (ग) निर्यात किये जाने वाले का विवरण और इसके टैरिफ का वर्गीकरण
- (घ) निर्यात किये जाने वाले माल का एफ ओ वी मूल्य; और
- (ड.) निर्यात किये जाने माल से संबंधित सूचना जिसमें यह दर्शाया जाना चाहिए
- (i) जहाँ कहीं संभव हो निर्यात करने वाले पक्ष में उद्गमित सामग्री, संघटक और/अथवा पुर्जे और सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष,
- (ii) अन्य पक्ष से उद्गमित सामग्री, संघटक और/ उसका पुर्जे जिसमें निम्नलिखित दर्शाया गया हो:
  - उद्गम;
  - टैरिफ वर्गीकरण (कम से कम 6 स्तरीय अंक);
  - सी आई एफ मूल्य, संयुक्त राज्य अमरीका के डालर में;
  - अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य की प्रतिशतता।
- (iii) गैर-उद्गमित सामग्री, संघटक और/ अथवा पुर्जे जिसमें निम्नलिखित दर्शाया गया हो:
  - निर्यात करने वाला देश;
  - टैरिफ वर्गीकरण (कम से कम 6 स्तरीय अंक);
  - सी आई एफ मूल्य, संयुक्त राज्य अमरीका के डालर में; और
  - अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य की प्रतिशतता; और
- (iv) विनिर्माण प्रक्रिया का विवरण।

2. शपथ उद्गम घोषणा पत्र में माल का विवरण जो इस अनुबंध में नियत की गई उद्गम अपेक्षाओं को पूरा करने को प्रमाणित करता है, संबद्ध टैरिफ वर्गीकरण के साथ-साथ वाणिज्यिक बीजक में और उद्गम प्रमाणपत्र में माल के विवरण के सदृश होगा।

3. यदि माल का नियमित रूप से निर्यात किया जाता है और उसकी विनिर्माण प्रक्रिया के साथ-साथ उसकी सामग्री को संबंधित नहीं किया जाता है तो उत्पादक का शपथ घोषणा पत्र प्रमाणपत्र जारी करने की तारीख से संगणित एक वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा ।

4. उद्गम प्रमाणपत्र अनुरोध प्रस्तुत करने की तारीख के पश्चात् हरताल पांच (5) कार्य दिवसों में जारी किया जायेगा और यह इसके जारी करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा ।

5. उद्गम प्रमाणपत्र खेप से संबंधित वाणिज्यिक बीजक जारी करने की तारीख से पहले लेकिन उसी तारीख अथवा अनुवर्ती साठ (60) दिन के भीतर जारी नहीं किये जायेंगे ।

6. अनुरोधकर्ता पक्ष और प्रमाणीकरण कार्यालय अथवा प्राधिकृत संस्थाएं उद्गम प्रमाणपत्रों के सहायक दस्तावेजों को इसके जारी करने की तारीख से कम से कम पाँच (5) वर्ष की अवधि के लिए रखेंगे । प्रमाणित करने वाले कार्यालयों अथवा उक्त संस्थाएं उनके द्वारा जारी किये गये प्रमाणपत्रों को क्रमिक आदेश के अनुसार संख्याक्रित करेंगे ।

7. प्रमाणित करने वाले कार्यालयों अथवा प्राधिकृत संस्थाएं जारी किये सभी उद्गम प्रमाणपत्रों जिसमें प्रमाणपत्र सं. और अनुरोधकर्ता कंपनी का नाम और इसके जारी करने की तारीख निहित होगी, का स्थाई रिकार्ड रखेंगे ।

**भाग- IV**  
**उद्गम के प्रमाणपत्रों का नियंत्रण ओर सत्यापन**  
**नियम-17**

1. इन नियमों के अंतर्गत उद्गम के नियमों के अनुसार उद्गम प्रमाणपत्र की प्रस्तुति से संबंध न रखते हुए उचित संदेह के मामलों में आयात करने वाले पक्ष के सीमा शुल्क प्राधिकारी निर्यात करने वाले पक्ष की संगत सरकारी प्राधिकारियों से किसी प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता के साथ-साथ उसमें निहित सूचनाओं की सत्यता के सत्यापन के लिए आवश्यक किसी अतिरिक्त सूचना के लिए अनुरोध कर सकते हैं। यह सीमा शुल्क विधि की उल्लंघन से संबंधित संबद्ध राष्ट्रीय विधान के अनुप्रयोग को नहीं रोकेगा ।

2. इस अनुच्छेद के अनुसार अतिरिक्त सूचना के अनुपालनार्थ उद्गम प्रमाणपत्रों को जारी करने के लिए प्राधिकृत सरकारी कार्यालयों अथवा संस्थाओं में उपलब्ध रजिस्टरों और दस्तावेजों के संदर्भ में ही किया जायेगा। उद्गम प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

3. तथापि यह अनुच्छेद पक्षों के मध्य सीमा शुल्क सहयोग करार के समापन पर प्रतिबंध नहीं लगाता है।

4. प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता अथवा इसके आंकड़ों की सत्यता से संबंधित संदेहों के कारणों को स्पष्ट और ठोस तरीके से आगे भेजे जायेंगे। इस प्रयोजन के लिए इस पर प्रत्येक पक्ष के उद्नामित सीमा शुल्क प्राधिकारियों के किसी विशेष कार्यालय द्वारा परामर्श किया जायेगा ।

5. आयात करने वाले पक्ष के सीमा शुल्क प्राधिकारी माल के आयात करने का संकार्य स्थगित नहीं करेंगे। तथापि वे अधिमान्य टैरिफ संब्यवहार से मना कर सकते हैं, आयात संकार्यों को पूरा करने की पूर्व शर्त के रूप में राजकोषीय हितों रक्षा हेतु अपने तरीकों में से किसी में गारंटी के लिए अनुरोध कर सकता है अथवा कोई आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं।

6. यदि कोई गारंटी अपेक्षित है तो इसकी राशि आयात करने वाले देश के विधान के अनुसार तीसरे देश से उत्पाद के आयात से संबंधित लागू सीमा शुल्कों के मूल्य से अधिक नहीं होगी।

### नियम-18

निर्यात करने वाले पक्ष के सक्षम प्राधिकारी अनुच्छेद-16 के अनुसार अनुरोध की प्राप्ति की तारीख से तीस (30) दिन के भीतर अनुरोध कृत सूचना प्रदान की जायेगी। उचित मामलों में ऐसी अवधि को पारस्परिक परामर्श के माध्यम से तीस (30) दिन से अधिक अवधि के लिए नहीं बढ़ाई जायेगी। यदि यह सूचना संतोषजनक है तो उक्त प्राधिकारी आयातक को तीस (30) दिन के भीतर अनुच्छेद-17 के संदर्भित गारंटी से मुक्त कर देगा अथवा पक्षों के घरेलू कानूनों के अनुसार शुल्क के अधिक भुगतान का तुरंत भुगतान करेगा।

### नियम-19

वर्तमान अध्याय की शर्तों के अंतर्गत प्राप्त जानकारी, इसकी विधि के अनुसार, गोपनीय प्रकृति की होगी, और वह ऐसी सूचना को प्रकट होने से बचायेगी जिससे सूचना देने वाले व्यक्तियों की प्रतिस्पर्द्धात्मक स्थिति के प्रति पूर्वाग्रह हो सकता है। इसका उपयोग जांच और विधिक कार्यवाही के साथ-साथ आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच के दौरान मामलों को सुस्पष्ट करने के लिये किया जायेगा।

### नियम-20

ऐसे मामलों में जिनमें अनुच्छेद-17 के अंतर्गत मांगी गई सूचना अनुच्छेद-18 में निर्धारित अंतिम तारीख तक नहीं दी जाती है या यह माल की उद्भव के बारे में उत्पन्न संदेह को दूर नहीं कर पाती है तो आयात करने वाले संविदा पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी सूचना के मांगे जाने की तिथि से साठ (60) दिन के भीतर ऐसे मामलों की जांच शुरू कर सकता है।

### नियम-21

1. जांच की अवधि के दौरान, आयात करने वाले पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी उसी निर्यातक या उत्पादक से उसी प्रकार के माल से संबंधित आयात कार्य के बंद नहीं करेंगे। हालांकि वे नये आयात कार्य को पूरा करने के पूर्वशर्त के रूप में वरीयता पद तटकर देने से मना कर सकते हैं, या इनमें से किसी भी सुविधा प्रविधि के लिए गारंटी की मांग कर सकते हैं या ऐसा कोई आवश्यक कदम उठा सकते हैं जिससे राजकोषीय हित सुरक्षित रह सके।

2. गारंटी की राशि, जब भी कभी इसके लिए मांग की जाती है, अनुच्छेद 17(6) के अनुसार निर्धारित की जायेगी।

नियम-22

अनुच्छेद -23 में स्थापित प्रक्रिया के अनुसार, आयात करने वाले पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी तत्काल आयातकर्ता को अधिसूचित करेंगे और निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी मूल जांच के प्रारंभ कार्य के अधिसूचित करेंगे ।

नियम-23

## 1. जांच की कार्यवाही के दौरान, आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी

(क) निर्यात करने वाले सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से ऐसे किसी दस्तावेज, जो कि ऐसे प्रमाणित करने वाले कार्यालय या प्राधिकृत संस्थान के कब्जे में है जिसमें, अनुच्छेद 17 के अनुसार, ऐसी जांच के अंतर्गत मूल प्रमाणपत्र जारी किया है की प्रति के साथ-साथ ऐसी नई सूचना के लिए भी अनुरोध कर सकता है जो उक्त प्रमाणपत्रों की सत्यता के सत्यापन और उसमें निहित सूचना की सत्यता के सत्यापन के लिए आवश्यक समझी जाय । इस प्रकार के अनुरोध में जांच के अंतर्गत जारी किये गये मूल प्रमाणपत्र की संख्या और तारीख का उल्लेख होना चाहिए ।

(ख) स्थानीय और क्षेत्रीय संवर्द्धित मूल्य के विषय वस्तुओं के सत्यापन के उद्देश्य से उत्पादक या निर्यातक जांच किये जा रहे सामानों के उत्पादन में प्रयोग में लाये गये गैर उद्भूत सामानों के सी आई एफ मूल्य को स्थापित करने में आवश्यक कोई जानकारी या दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करेंगे ।

(ग) कुछ उत्पादन प्रक्रियाओं की विशेषताओं के सत्यापन के उद्देश्य से निर्यातक या उत्पादक ऐसी किसी सूचना या दस्तावेज को उपलब्ध कराने में सहयोग देंगे जिससे ऐसी प्रक्रिया की अभिपुष्टि होती हो ।

(घ) निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में प्रश्नावली भेजेगे जिसे उनको निर्यातक या उत्पादक के पास अग्रसरित करना होगा, जिसमें जांच के अंतर्गत मूल प्रमाणपत्र के बारे में दर्शाया गया होगा ।

(ङ.) निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुरोध करेंगे कि वे उत्पादक के परिसर में दौरा करने में सहयोग दे जिससे कि जांच के अंतर्गत आने वाले उत्पाद के विनिर्माण में प्रयोग किये गये उपकरण और औजार के साथ-साथ उत्पादन प्रक्रिया की भी जांच की जा सके ।

(च) अनुबंध पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी उपर्युक्त दौरों में आयातकर्ता अनुबंध पक्षकार के प्राधिकारियों के साथ रहेंगे जिसमें विशेषज्ञ भी शामिल होंगे जो कि पर्यवेक्षक का कार्य करेंगे । प्रत्येक पक्षकार अपने-अपने विशेषज्ञ नामित करेगा जो कि तटस्थ रहेंगे और जांच कार्य में जो कुछ भी होता है उसमें उनका कोई भी हित नहीं होगा । कोई भी पक्षकार उस समय ऐसे विशेषज्ञों के तब भाग लेने से मना कर सकता है जब यह पाया जाता है कि वे विशेषज्ञ जांच में शामिल कम्पनियां या संस्थानों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

(छ) यदि एक बार दौरा समाप्त हो जाता है तो भागीदार इसका कार्यवृत्त सौंपेंगे जिसमें यह निर्दिष्ट रहेगा कि यह इस नियमवली में स्थापित शर्तों के अनुसार किया गया । उक्त कार्यवृत्त में अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित बाते शामिल होंगी दौरा किये जाने की तारीख और स्थान, मूल प्रमाण पत्र की पहचान

जिसके कारण जाँच हुई है, जाँच के अंतर्गत आने वाले माल की पहचान, भाग लेने वालों की पहचान, जिसमें इन संगठनों या संस्थानों का नाम होया जिनसे ये संबंधित है, दौस रिपोर्ट ।

(ज) निर्यात करने वाले पक्षकार सत्यापन दौरे को 30 दिन से अनधिक अवधि तक स्थगित करने के लिए अनुरोध कर सकता है। और

(झ) ऐसे अन्य कार्य करेंगे जिनपर पक्षकारों के बीच सहमति हो जो जाँच के अंतर्गत आने वाले मामलों में शामिल हों ।

#### नियम-24

निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी अनुरोध की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर, अनुच्छेद-23 (क) और (घ) के अनुसार अनुरोधकृत सूचना और दस्तावेज उपलब्ध करायेंगे ।

#### नियम-25

अनुच्छेद- 23 में प्रकाशित प्रक्रिया के बारे में आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी निर्यात करने वाले सक्षम प्राधिकारी से जाँच के मामले में भागीदारी निभाने या विशेषज्ञ सलाह देने के लिये अनुरोध कर सकता है।

#### नियम-26

ऐसे मामले में जिसमें वह सूचना या दस्तावेज जिसके लिए निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुरोध किया गया था, विनिर्दिष्ट अंतिम तारीख तक उपलब्ध नहीं करा दी जाती है या यदि उत्तर में इतनी पर्याप्त सूचना या दस्तावेज निहित नहीं है जिससे कि मूल बातों जाँच के अधीन मूल प्रमाणपत्र की प्रमाणिकता या सत्यता का निर्धारण हो सके या अभी भी यदि उत्पादक दौरे की सहमति नहीं देता है, आयात करने वाले पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी यह मान सकता है कि जाँच से संबंधित उत्पाद मूल अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं करता है और परिणामस्वरूप वह अनुच्छेद-20 के अनुसार जाँच के अंतर्गत मूल प्रमाणपत्र में उल्लिखित उत्पाद को तटकर में वरीयता देने से मना कर सकता है और इस प्रकार जाँच कार्य को समाप्त कर सकता है।

#### अनुच्छेद-27

1. आयात करने वाले पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी अनुच्छेद 22 के अनुसार अनुरोधकृत सभी सूचनाओं के प्राप्त हो जाने की तारीख से 90 दिन से अनधिक की अवधि में जाँच कार्य को पूरा कर सकता है।
2. यदि यह समझा जाता है कि नये जाँच कार्य या और अधिक सूचना की आवश्यकता है तो आयात करने वाले पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी को इस तथ्य की सूचना देगा। अनुच्छेद-23 के अनुसार ऐसी नयी कार्रवाई को पूरा करने या अतिरिक्त सूचना प्रदान करने की ऐसी सभी आवश्यक सूचनाओं की प्राप्ति की तारीख से 10 दिन से अधिक नहीं होगी।

3. यदि सभी सूचना को उपलब्ध करा दिये जाने के बाद भी नब्बे (90) दिन के भीतर जाँच कार्य पूरा नहीं हो जाता है तो आयात कर्ता को गारंटी के भुगतान से मुक्त किया जा सकता है चाहे जाँच कार्य जारी ही क्यों न रहे। भुगतान की गई अतिरिक्त ड्यूटी को पक्षकारों की घरेलू विधियों के अनुसार शीघ्रातिशीघ्र वापस कर दिया जायेगा।

#### नियम-28

1. आयात करने वाले पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी आयातकर्ता को और निर्यात करने वाले सक्षम प्राधिकारियों को जाँच प्रक्रिया के पूर्ण होने की सूचना देगा और साथ ही साथ उन कारणों के बारे में भी बतायगा जिनके आधार पर ऐसा निर्णय दिया गया है।

2. आयात करने वाले पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी अपनी विधि के अनुसार निर्यात करने वाले सक्षम प्राधिकारी को जाँच फाइल को देखने की अनुमति देगा।

#### नियम-29

जाँच प्रक्रिया के दौरान, विनिर्माण संबंधी शर्तों में जाँच के अंतर्गत आने वाली कम्पनियों द्वारा किये गये संशोधन पर भविष्य में जहाज परिवहन के मामले में विचार किया जायेगा।

#### नियम-30

मूल की अहता संबंधी जाँच कार्य यदि एक बार आयात कर्ता के पक्ष में पूरा हो जाता है तो आयातकर्ता को अधिकतम 30 दिन के अंदर अनुच्छेद -17 और 21 के अंतर्गत अनुसोधकृत गारंटी से मुक्त कर दिया जायेगा अथवा इसके पक्षकारों की घरेलू विधियों के अनुसार भुगतान किये गये अतिरिक्त शुल्क को शीघ्रातिशीघ्र वापस कर दिया जायेगा।

#### अनुच्छेद-31

1. यदि एक बार जाँच के दौरान यह स्थापित हो जाता है कि मूल प्रमाण पत्र में उल्लिखित सामान की मूल मानदंड अर्ह नहीं हैं, तो शुल्क इस प्रकार लगाया जायेगा मानों कि ऐसा सामान किसी अन्य देश से आयात किया गया है और इस पर इस समझौते में प्रकल्पित प्रतिबंध और/या प्रत्येक पक्षकार के यहाँ प्रचलित विधि में प्रकल्पित प्रतिबंध लागू होंगे।

2. ऐसे मामले में, आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी उसी उत्पादक से सदृश सामान से संबंधित नये आयात को तटकर में तरजीह देने से मना कर सकता है जब तक कि यह प्रदर्शित न कर दिया जाय कि विनिर्माण संबंधी दशाओं में इसलिए संशोधन किया गया था जिससे कि इस अनुबंध के मूल नियमों की मूल आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

3. यदि एक बार निर्यात करने वाले पक्षकार का सक्षम प्राधिकारी यह सूचना देता है जिससे कि यह प्रदर्शित हो कि विनिर्माण संबंधी शर्तों में संशोधन किया गया था और सामान मूल मानदंडों के पूरा करते हैं तो आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी के पास उक्त सूचना की प्राप्ति की लारीख से पैतालिस (45) दिन का समय रहेगा जिसमें वह अपने निर्णय के बारे में सूचित कर सकता है या यदि अनुच्छेद

23(ङ.) के अनुसार, उत्पादक के परिसर का नये सत्यापन के लिए दौरा करना आवश्यक समझा जाता है तो यह अवधि नबे (90) दिन की होगी।

4. यदि आयात करने वाले पक्षकार और निर्यात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी विनिर्माण संबंधी शर्तों के संशोधन को प्रदर्शित करने पर सहमत नहीं हो जाते हैं तो वे भारत गणतंत्र और चिली गणतंत्र के बीच हुए वरीयतापरक व्यापार समझौते के अनुच्छेद XVIII के अनुसार स्थापित विवाद निपटान प्रक्रिया का प्रयोग कर सकते हैं।

#### अनुच्छेद-32

1. एक पक्षकार दूसरे पक्षकार से, दूसरे पक्षकार द्वारा पहले पक्षकार से आयात किये गये माल के मूल के बारे में तब जाँच करने के लिये अनुरोध कर सकता है जब यह संदेह करने के लिये बिल्कुल ठोस कारण मौजूद हैं कि इसके उत्पाद का और तरजीह परक तटकर के आधार पर आयात किये गये उस माल से प्रतिस्पर्द्धा है जो कि इस समझौते के मूल नियमों का पालन नहीं करते हैं।

2. इस उद्देश्य के लिये, जाँच के लिये अनुरोध करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी ऐसे अनुरोध की प्राप्ति की तारीख से पैतालिस (45) दिन के भीतर आयात करने वाले पक्षकार के प्राधिकारी को सुसंगत जानकारी प्रदान करेगा। यदि एक बार यह सूचना मिल जाती है तो आयात करने वाला अनुबंधित पक्षकार इस अनुबंध में स्थापित प्रक्रिया को शुरू कर सकता है।

#### नियम-33

जैसा कि इस अनुबंध में प्रकल्पित है मूल के सत्यापन और नियंत्रण की प्रक्रिया उन सामानों पर भी लागू हो सकती है जो घरेलू उपभोग के लिये पहले ही क्लीयर कर दिये गये हैं।

#### नियम-34

1. यदि ऐसे उपाय असंगत हैं तो निर्यात करने वाला पक्षकार अनुच्छेद 27 में या अनुच्छेद 30 के तीसरे पैराग्राफ में यथा प्रदत्त सूचना की प्राप्ति के साठ (60) दिन के भीतर समिति से परामर्श करने के लिये अनुरोध कर सकता है, जिसमें ऐसे तकनीकी और विधिक कारण बता सकता है जिससे यह प्रकट हो सके कि आयात करने वाले पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा किये गये उपाय इस अनुबंध से असंगत हैं और /या ऐसे तकनीकी सलाह के लिये अनुरोध कर सकता है जिसका उद्देश्य यह स्थापित करना है कि जाँच के अंतर्गत आने वाला सामान इस समझौते के मूल नियमों का पालन करता है।

#### नियम-35

इस अनुबंध में निर्धारित समयावधि की गणना संदर्भित तथ्य या घटना के अगले दिन से लगातार दिवस के आधार पर की जायेगी।

#### अनुच्छेद-36(दण्ड)

प्रत्येक पक्षकार ऐसे उपाय करेगा जिससे कि इसके सीमा शुल्क नियमों और विनियमों, जिसमें शासकीय तटकर वर्गीकरण सीमा शुल्क मूल्यांकन मूल नियम और इस समझौते के अंतर्गत वरीयता प्रद तटकर स्थिति पात्रता आते हैं, के उल्लंघन की स्थिति में सिविल प्रशासनिक और जहां यथोचित हो, आपराधिक दण्ड दिया जा सकता है।

परिशिष्टउद्गम प्रमाण पत्रमुद्रण संबंधी अनुदेश

- प्रत्येक फार्म का माप 210 x 297 मि.मी. होगा; तथापि लम्बाई 5 मि.मी. कम या 8 मि.मी. ज्यादा भी हो सकती है। कागज सफेद तथा लिखने योग्य होना चाहिये, मकैनिकल पल्प का मिला हुआ नहीं होना चाहिये तथा उसका वजन 25 ग्रा./ प्रति वर्ग मीटर से कम नहीं होना चाहिये।
- चिली तथा भारत की सक्षम सरकारी प्राधिकारियों को यह अधिकार होगा कि वे फार्म को स्वयं छापे या अनुमोदित मुद्रकों से छापावाएं यदि फार्म अनुमोदित मुद्रक द्वारा छपवाया जाता है तो प्रत्येक फार्म पर अनुमोदन की संदर्भ सं. होनी चाहिये। प्रत्येक फार्म पर मुद्रक का नाम व पता भी होना चाहिये या मुद्रक का चिह्न होना चाहिये जो छपा हो या न हो, जिससे उसकी पहचान हो सके।

फार्म भरने की प्रक्रिया

निर्यातक को उद्गम प्रमाण पत्र तथा शपथ घोषणा पत्र, दोनों को भरना होगा। ये फार्म तैयार किये गये समझौते की भाषा अंग्रेजी में तथा निर्यातक देश के आंतरिक कानून के प्रावधानों के अनुसार भरे जाएंगे। यदि वे हाथ से भरे जाते हैं तो ये मुद्रित अक्षरों में स्थाही से भरे जाएंगे।

टिप्पणी

- प्रमाण-पत्र में कही भी काट-छाँट या शब्दों के ऊपर दुबारा नहीं लिखा जाना चाहिये। कोई भी परिवर्तन करने के लिए गलत विवरण को पूर्ण रूप से मिटाकर आवश्यक संशोधन को जोड़ा जाना चाहिये। इस तरह के किये गये परिवर्तनों के सामने प्रमाण पत्र भरने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर होने चाहिये तथा जारी करने वाले देश के सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा इसकी पुष्टि की जानी चाहिये।
- प्रमाण-पत्र पर मदों की प्रविष्टि करते समय उनके बीच में कोई जगह नहीं छोड़ी जानी चाहिये तथा प्रत्येक मद से पहले मद संख्या दी जानी चाहिये। मदों की सूची समाप्त होने के तुरंत नीचे एक रेखा खीची जानी चाहिये। अप्रयुक्त जगह पर इस प्रकार से रेखा खीची जानी चाहिये कि वहां बाद में कुछ भी जोड़ना संभव न हो।
- सामान का वर्णन वाणिज्यिक पद्धति के अनुसार तथा पर्याप्त विस्तार से हो ताकि सामान की पहचान हो सके।

उद्गम प्रमाण पत्र

	क्रम सं.
1. निर्यातक (नाम, पूरा पता व देश का नाम)	2. उत्पादक (नाम, पूरा पता तथा देश का नाम)
पहचान सं.	पहचान सं.

3. आयातक (नाम, पूरा पता व देश का नाम)	4. टिप्पणी			
5. पोर्ट जहाँ सामान लादा गया	6. उद्गम देश			
7. सामान का विवरण (1) चिह्न और नं.; पैकेजों की संख्या तथा प्रकार (2)	8. एच एस सं. (छ. अंक कोड)	9. कुल मात्रा किलो ग्रा. अन्य कोई माप (लिटर एम आदि) में	10. उद्गम मानक (3)	11. बीजक (सं. व दिनांक व मूल्य)
12. सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा पुष्टि घोषणा प्रमाणित की जाती है, सक्षम सरकारी कार्यालय ..... जारी करने वाला देश: .....	13. निर्यातक द्वारा घोषणा में प्रमाणित करता हूँ कि: * इस दस्तावेज में दी गई सूचना सही तथा सटीक है तथा इसके दिये गये तथ्यों की मैं जिम्मेदारी लेता हूँ। मैं समझता हूँ कि इस दस्तावेज में दिये गये किसी भी गलत कथन या सामान के संबंध में जानकारी छुपाने के लिए मैं उत्तरदायी होऊँगा। * मैं इस प्रमाण पत्र में दी गई जानकारी के प्रमाण के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज रखने व मांगे जाने पर उन्हें प्रस्तुत करने तथा इस प्रमाणपत्र की विशुद्धता तथा मान्यता को प्रभावित करने वाले किसी भी परिवर्तन की सूचना लिखित रूप से उन सभी व्यक्तियों को भी देने के लिए सहमत हूँ जिन्हें यह प्रमाण पत्र दिया गया था। * सामान का उद्गम पक्षकारों के प्रदेश में हुआ है तथा यह चिली भारत अधिमान्य व्यापार करार में इन सामानों के लिए विनिर्दिष्ट उद्गम संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है, तथा करार के भाग-II, नियम-3 सं.1 के अनुसार पक्षकारों के प्रदेश के बाहर कोई और आगे उत्पादन या अन्य कोई प्रक्रिया संपन्न नहीं की गई। स्थान व दिनांक .....			
	(हस्ताक्षर)			

1. उत्पादों का विवरण, बिना कोई लाईन छोड़े, इस उद्देश्य के लिए निर्धारित किये गये बॉक्स में ही दिया जाए। यदि बाक्स पूरा नहीं भरा हो, तो विवरण की अंतिम पंक्ति के नीचे खाली जगह पर एक आड़ी लाईन जरूर खींची जानी चाहिये ।
2. यदि सामान पैक नहीं किया गया हो तो वस्तुओं की सं. या "थोक में", जैसा भी उपयुक्त हो, दी जानी चाहिये।
3. अधिमानता के लिए उद्गम मानदंड (भाग-2 नियम-3/सं.1)
4. संविदा पक्षकार के निम्नलिखित सामान को स्व-उत्पादित/निर्मित माना जाएगा:-  
(क) इस परिशिष्ट के अनुच्छेद 4 में दी गई परिमाणा के अनुसार संविदा पक्षकार के प्रदेश में पूर्णतः उत्पादित या प्राप्त किया गया सामान ।  
(ख) ऐसे सामान जो संविदा पक्षकार के प्रदेश में पूर्णतः उत्पादित न हो; परन्तु इन नियमों के नियम 7 के साथ पठित नियम 6 के अन्तर्गत पात्र हों ।

## शपथ घोषणा पत्र

1. उत्पादक व्यक्ति या कंपनी का नाम (नाम, पूरा पता, देश)

पहचान सं.

2. टिप्पणियाँ				3. उद्गम देश
4. सामान का विवरण (1) विन्ह तथा संख्या, एकजो की संख्या तथा प्रकृति (2)	5. एच.एस.संख्या (छ: अंक कोड)	6. कुल मात्रा(कि.ग्रा.) या अन्य कोई माप (लिटर एम आदि) में	7. अधिमानता का आधार (3)	8. बीजक (सं. व दिनांक) यदि ज्ञात हो)

## उत्पादक द्वारा घोषणा

मैं, अद्योहस्ताक्षरी, पूर्व पृष्ठ पर वर्णित सामान का उत्पादक,

घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त सामान स्व उत्पादित/निर्मित है तथा इस समझौते में स्थापित उद्गम संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है।

वचन देता हूँ कि उद्गम प्रमाण पत्र जारी करने के उद्देश्य से उपर्युक्त प्राधिकारियों द्वारा पुष्टि हेत मांगे गये सभी प्रमाण प्रस्तुत करूँगा तथा यह भी वचन देता हूँ कि यदि आवश्यक हुआ तो इन प्राधिकारियों को अपने खातों का निरीक्षण तथा उपरोक्त सामान के विनिर्माण की प्रक्रिया की जांच करने दूँगा।

अनुरोध करता हूँ कि उपरोक्त सामान के संबंध में उद्गम प्रमाण पत्र जारी करें।

## स्थान व तारीख

(हस्ताक्षर)

(1) उत्पादों का विवरण, बिना कोई लाईन छोड़े, इस उद्देश्य के लिए निर्धारित किये गये बॉक्स में ही दिया जाए। यदि बाक्स पूरा नहीं भरा हो तो विवरण की अंतिम पंक्ति के नीचे खाली जगह पर एक आँड़ी लाईन जरुर खीची जानी चाहिये।

निर्यात किये जाने वाले सामानसे संबंधित सूचना में यह जरुर दर्शाया जाए:-

- (i) निर्यातक संविदा पार्टी द्वारा स्व उत्पादित/निर्मित सामग्री, संघटक और/या हिस्से-पुर्जे;
- (ii) अन्य पार्टीयों द्वारा उत्पादित/निर्मित सामग्री, संघटक और/या हिस्से-पुर्जे के निम्न विवरण:-  
- उद्गम;

- टैरिफ वर्गीकरण (कम से कम 6 स्तर अंक)
- संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉलरों में सी.आई.एफ. मूल्य
- अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य पर प्रतिशतता

(iii) गैर-उत्पादित/निर्मित-सामग्री, संघटक और/या हिस्से/पूर्जों के निम्न विवरण:-

- निर्यातक देश;
- टैरिफ वर्गीकरण( कम से कम 6 स्तर अंक)
- संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉलरों में सी.आई.एफ. मूल्य
- अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य पर प्रतिशतता

(iv) निर्माण प्रक्रिया का वर्णन

2. यदि सामान पैक नहीं किया गया हो तो वस्तुओं की संख्या या "थोक में", जैसा भी उपर्युक्त हो दी जानी चाहिये ।

3. अधिमानता का आधार (भाग-II, नियम-3 संख्या)

संविदा पार्टी के निम्नलिखित सामान को स्व-उत्पादित/निर्मित माना जाएगा:-

(क) इस परिशिष्ट के अनुच्छेद-4 में दी गई परिभाषा के अनुसार संविदा पार्टी के प्रदेश में पूर्णतः उत्पादित या प्राप्त किया गया सामान

(ख) ऐसे सामान जो संविदा पार्टी के प्रदेश में पूर्णतः उत्पादित न हो, परन्तु इस परिशिष्ट के नियम 7 के साथ पठित नियम 6 के अंतर्गत हो ।

[फा. सं. 467/80/2004-सीमा शुल्क V/आई सी डी]

एस. पी. राव, अवर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2007

No. 84/2007-Customs (N.T.)

S.O. 1426(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

**Rule 1: Short title and commencement:—**

(i) These rules may be called the Rules of Determination of Origin of Goods under the Preferential Trading Agreement between the Republic of India and the Republic of Chile Rules, 2007(hereinafter referred as the "Agreement").

#### GENERAL PROVISIONS

**Rule 2. Definitions**

For the purpose of these Rules:

**chapters, headings and subheadings** mean the chapters, the headings and the subheadings (two, four and six digit codes respectively) used in the nomenclature which makes up the Harmonized System or HS;

**CIF** means the value of the good imported that includes the cost of freight and insurance up to the port or place of entry in the country of importation;

**classification** refers to the classification of a product or material under a particular heading of the HS;

**customs value** means the value as determined in accordance with the Article VII and the Agreement on Implementation of Article VII of GATT 1994 (WTO Agreement on Customs Valuation);

**factory ship** means any vessels, as defined, used for processing and/or making on board products exclusively from those products referred to in Clause (f) and (g) of Article 5;

**FOB** means the value of the good free on board, independent of the means of transportation, at the port or site of final shipment abroad;

**goods** means both materials and products;

**Harmonized System** means the nomenclature which makes up the Harmonized Commodity Description and Coding System including the chapters and the corresponding number codes, section notes and chapter notes, as well as the General Rules for their interpretation;

**manufacture** means any kind of working or processing including assembly or specific operations;

**material** means raw materials, ingredients, parts, components, subassembly and/or goods that are physically incorporated into another good or are subject to a process in the production of another good;

**product** means the product being manufactured, even if it is intended for later use in another manufacturing operation;

**territory** means:

(a) in the case of India including its territorial waters and the air space above its territorial waters and the other maritime zones including the Exclusive Economic Zone and Continental Shelf over which Republic of India has sovereignty, sovereign rights or exclusive jurisdiction in accordance with its laws in force, the 1982 United Nations Convention on the Law of the Sea and international law; and

(b) In case of Chile, the land, maritime, and air space under its sovereignty, and the Exclusive Economic Zone and the Continental Shelf within which it exercises sovereign rights and jurisdiction in accordance with international law and its domestic law; and

vessel means any ship engaged in commercial fishing or commercial exploitation of marine products (on High Seas) registered with a Party and flying its flag and at least 50% of equity is owned by citizen/s, corporation or government of the Party.

## SECTION II

### CRITERIA FOR ORIGINATING GOODS

#### Rule 3. General requirements

1. For the purpose of implementing this Agreement, the following goods shall be considered as originating from a Party:

- (a) the goods wholly produced or obtained in the territory of the Party as defined in Article 5 of these Rules;
- (b) the goods not wholly produced in the territory of the Party, provided that the said products are eligible under Article 6 read with Article 7, and/or Article 4 of these Rules.

#### Rule 4. Cumulation of origin

Goods originating in any of the Party when used as an input for a finished product in another Party shall be considered originating in the latter.

#### Rule 5. Wholly produced or obtained products

The following shall be considered as wholly produced or obtained in the territory of a Party:

- a) mineral products extracted from the soil or subsoil of any of the Parties, including its territorial seas, continental shelf or exclusive economic zone;
- b) Plants<sup>2</sup> and plant products grown, harvested, picked or gathered there including in its territorial seas, continental shelf or exclusive economic zone;
- c) live animals born, and raised there, including by aquaculture;
- d) products from animals as in (c) above<sup>3</sup>;
- e) Animals and products thereof obtained by hunting, trapping, collecting, fishing or and capturing there; including its inland waters, territorial seas, continental shelf or in the exclusive economic zone;

<sup>2</sup> Plants refers to all plant life, including forestry products, fruits, flowers, vegetables, trees, sea weeds and fungi.

<sup>3</sup> Animals referred to in paragraph (c), (d) and (e) covers all animal life, including mammals, birds, fish, crustaceans, molluscs and reptiles.

- f) Products of seafishing and other marine products taken from the high seas by its vessels as defined in Article 2;
- g) goods processed and/or made on board its factory ships as defined in Article 2 exclusively from the products mentioned in subparagraphs (e) and (f);
- h) waste and scrap resulting from utilisation, consuming or manufacturing operations conducted in the territory of any of the Parties, provided they are fit only for the recovery of raw materials; and
- i) goods produced in any of the Parties exclusively from the products specified in subparagraphs (a) to (h) above.

**Rule 6. Not wholly produced or obtained products**

- 1) For the purpose of Article 3(b), products worked on or processed as a result of which the total value of non originating materials, or of undetermined origin used does not exceed 60% of the FOB value of the products produced or obtained and the final process of manufacture is performed within the territory of exporting Party shall be eligible for preferential treatment subject to the provisions of Article 7.
- 2) To qualify for preferences the non-originating materials shall be considered to be sufficiently worked or processed if the product obtained is classified in a heading, at the four digit level, of the Harmonized System different from those in which all the non-originating materials used in its manufacture are classified.
- 3) The customs value of the non-originating materials, parts or produce shall be:
  - a) the CIF value at the time of importation of the materials, parts or produce where this can be proven; or
  - b) the earliest ascertained price paid for the materials, parts or produce in the territory of the Party where the working or processing of the final goods takes place.
- 4) The value of the materials, parts or produce of undetermined origin shall be the earliest ascertained price paid for them in the territory of the Party where the working or processing of the final goods takes place.
- 5) The formula for 40% value added is as follows:

$$\begin{array}{ccc}
 \text{Customs value of} & & \text{Value of} \\
 \text{Non-originating materials,} & + & \text{Undetermined Origin} \\
 \text{Parts or Produce} & & \text{Materials, Parts or Produce} \\
 & & \times 100\% < 60\%
 \end{array}$$

FOB value of the final product

**Rule 7. Processes or operations considered as insufficient to confer originating status**

In the case of the products which have non-originating materials, the following operations, inter alia, shall be considered as insufficient working or processing to confer the status of originating products, whether or not the requirements of Art. 6 are satisfied:

- (a) preserving operations to ensure that the products remain in good condition during transport and storage such as aeration, drying, refrigeration, immersion in salty or sulphured water or in water added with other substances, extraction of damaged parts and similar operations;
- (b) dilution in water or in any other substance which does not substantially alter the product characteristics;
- (c) simple operations such as removal of dust, sifting, screening, sorting, classifying, grading, matching, washing, painting, husking, stoning of seeds, slicing and cutting;
- (d) simple change of package and breaking-up and assembly of packages;
- (e) simple packing in bottles, cans, flasks, bags, cases, boxes, fixing on cards or boards and all other simple packaging operations;
- (f) affixing or printing marks, labels, logos and other like distinguishing signs on products or their packaging;
- (g) simple cleaning, including removal of oxide, oil, paint or other coverings;
- (h) simple assembly of parts to constitute a complete article or, disassembly of products into parts, in accordance with General Rule 2(a) of the Harmonised System;
- (i) slaughter of animals;
- (j) simple mixing of products, provided the characteristics of the obtained product are not essentially different from those of the mixed products;
- (k) oil application; and
- (l) a combination of two or more of the above operations.

**Rule 8. Accessories, spare parts and tools**

1. Accessories, spare parts and tools despatched with a piece of equipment, machine, apparatus or vehicle, which are part of the normal equipment and included in the price thereof, or which are not separately invoiced, shall be considered as originating

if the good is originating and shall be disregarded in determining whether all the non-originating materials used in the production of the good undergo the applicable change in tariff classification, provided that:

- a) the accessories, spare parts or tools are not invoiced separately from the good, notwithstanding they are detailed separately in the invoice;
- b) the quantities and value of the accessories, spare parts or tools are customary for the goods.

2. Each Party shall provide that if a good is subject to a regional value content requirement, the value of accessories, spare parts, or tools shall be taken into account as originating or non-originating materials, as the case may be, in calculating the regional value content of the good.

**Rule 9. Fungible Materials**

1. Where identical and interchangeable originating and non-originating materials including materials of undetermined origin are used in the manufacture of a product, those materials shall be physically segregated, according to their origin, during storage.
2. A producer facing considerable costs or material difficulties in keeping separate stocks of identical and interchangeable originating and non-originating materials including materials of undetermined origin used in the manufacture of a product, may use the so-called "accounting segregation" method for managing stocks.
3. The accounting method shall be recorded, applied and maintained in accordance with generally accepted accounting principles applicable in the Party in which the product is manufactured. The method chosen must:
  - (a) permit a clear distinction to be made between originating and non originating materials including materials of undetermined origin acquired and/or kept in stock; and
  - (b) guarantee that no more products receive originating status than would be the case if the materials had been physically segregated.
4. The producer using this facilitation shall furnish a sworn declaration for the quantity of products considered as originating and keep all documentary evidence of origin of the materials. At the request of the competent authorities of the exporting Party, the producer shall provide satisfactory information on how the stocks have been managed.
5. The competent authority may require from its exporters that the application of the method for managing stocks as provided for in this Article will be subject to prior authorisation.

**Rule 10. Sets**

Sets, as defined in General Rule 3 of the Harmonised System, shall be regarded as originating when all component products are originating. Nevertheless, when a set is composed of originating and non originating goods, the set as a whole shall be regarded as originating, provided that the CIF value of the non originating goods utilized in the composition of the set does not exceed 15% per cent of the FOB price of the set.

**Rule 11. Packages and packing materials for retail sale**

1 The packages and packing materials for retail sale, when classified together with the packaged product, according to General Rule 5 (b) of the Harmonised System, shall not be taken into account for considering whether all non-originating materials used in the manufacture of a product fulfil the criterion corresponding to a change of tariff classification of the said product.

2. If the product is subject to an ad valorem percentage criterion, the value of the packages and packing materials for retail sale shall be taken into account in its origin assessment, in case they are treated as being one for customs purposes with the goods in question.

**Rule 12. Containers and packing materials for transport**

The containers and packing materials exclusively used for the transport of a product shall not be taken into account for determining the origin of any good, in accordance with General Rule 5 (b) of the Harmonized System.

**Rule 13. Neutral elements or indirect materials**

1. "Neutral elements" or "Indirect materials" means goods used in the production, testing or inspection of goods but not physically incorporated into the goods, or goods used in the maintenance of buildings or the operation of equipment associated with the production of goods, including:

- (a) energy and fuel;
- (b) plant and equipment;
- (c) tools, dies, machines and moulds;
- (d) parts and materials used in the maintenance of plant, equipment and buildings;
- (e) goods which do not enter into the final composition of the product;
- (f) gloves, glasses, footwear, clothing, safety equipment, and supplies; and
- (g) equipment, devices, and supplies used for testing or inspecting the goods.

2. Each Party shall provide that an indirect material shall be considered to be an originating material without regard to where it is produced and its value shall be the cost registered in the accounting records of the producer of the export product.

#### Rule 14. Direct transport, Transit and Trans-shipment

In order for the originating goods or products to benefit from the preferential treatment provided for under the Agreement, they shall be transported directly between the Parties. The goods or products are transported directly provided:

- (a) they are transported through the territory of one or both Parties;
- (b) they are in transit through one or more territories of non-Parties, with or without trans-shipment or temporary warehousing in such territories, under the surveillance of the customs authorities therein, provided that:
  - (i) the transit entry is justified for geographical reasons or by consideration related exclusively to transport requirements;
  - (ii) they are not intended for trade, consumption, use or employment in the country of transit; or
  - (iii) they do not undergo operations other than unloading, reloading or any operation designed to preserve them in good condition; and
- (c) the period of such transit shall not exceed six months and goods under such transit shall bear the proof of having been under customs surveillance through necessary endorsements in the relevant customs document(s).

### SECTION III

#### PROOF OF ORIGIN

##### Rule 15. Certification of Origin

1. The Certificate of Origin is the document that certifies that goods fulfil the origin requirements as set out in these Rules so that they can benefit from the preferential tariff treatment as foreseen in this Agreement. The said Certificate is valid for only one importing operation concerning one or more goods and its original or in exceptional cases a copy of the original of which has to be submitted within 30 days from the date of clearance of goods in the importing Party and shall be included in the documentation to be presented at the customs authorities of the importing Party.

2. The issue of Origin Certificates and its control, shall be under the responsibility of a Government office in each Party. The Certificates of Origin shall be directly issued by those authorities or through delegation as referred to in paragraph 3 and shall be in English.

3. The Certificate of Origin shall be signed and issued by Government offices to be indicated by the Parties who may delegate the signing and issuing of origin certificates to other Government offices or representative corporate body.

4. The Certificate mentioned in the preceding paragraph shall be issued in the form agreed upon by the Parties and upon a sworn declaration by the final producer of the goods and the respective commercial invoice.

5. In all cases, the number and date of the commercial invoice shall be indicated in the box reserved for this purpose in the Certificate of Origin.

6. When a good to be traded is invoiced by a non-Party operator, the producer or exporter of the originating Party shall inform, in the field titled "observations" of the respective Certificate of Origin, that the goods subject to declaration shall be invoiced from that non-Party operator, reproducing the following data from the commercial invoice issued by this operator: name, address, country, number and date. Value addition carried out only in the territory of a Party shall be taken into account for calculation of local value addition.

#### Rule 16. Issue of Certificates of Origin

1. For the issue of an Origin Certificate, the final producer or exporter of the good shall present the corresponding commercial invoice and a request containing a sworn declaration by the final producer certifying that the goods fulfil the origin criteria of these Rules, as well as the necessary documents supporting such a declaration.

The said sworn declaration shall contain at least the following data:

- a) individual's name or company name;
- b) address;
- c) description of the good to be exported and its tariff classification;
- d) FOB value of the goods to be exported; and
- e) information relating to the good to be exported, which must indicate:
  - i) materials, components and/or parts originating from the exporting Party and the Customs tariff heading, wherever possible,
  - ii) materials, components and/or parts originating from the other Party indicating:
    - origin;
    - tariff classification (at least 6 level digit);
    - CIF value, in United States of America dollars;
    - percentage on the total value of the final product.
  - iii) non-originating materials, components and/or parts indicating:
    - exporting Country;
    - tariff classification (at least 6 level digit),
    - CIF value, in United States of America dollars, and
    - percentage on the total value of the final product; and
  - iv) description of the manufacturing process.

2. The description of the good in the sworn origin declaration, which certifies the fulfilment of the origin requirements set out in these Rules, shall correspond to the respective tariff classification, as well as with the description of the good in the commercial invoice and in the Certificate of Origin.

3. If the goods are regularly exported and their manufacturing process, as well as their materials are not modified, the Sworn Declaration of the Producer may be valid for a period of up to one year counted from the date of the issue of the certificate.

4. The Origin Certificate shall be issued not later than five (5) working days after the request presentation and it shall be valid for a period of one year from the date of its issue.

5. The origin certificates shall not be issued before the date of the issue of the commercial invoice relating to the consignment, but in the same date or within the following sixty (60) days.

6. The requesting party and the certifying offices or authorized institutions shall keep the documents supporting the origin certificates for a period no less than five (5) years, from the date of its issue. The certifying offices or the said institutions shall enumerate the certificates issued by them in sequential order.

7. The certifying offices or authorized institutions shall keep a permanent record of all issued origin certificates, which shall contain at least the certificate number, the requesting entity's name and the date of its issue.

#### SECTION IV

##### Control and Verification of Certificates of Origin

###### Rule 17.

1. Regardless of the presentation of an origin certificate in accordance with the Rules of Origin under these Rules, the customs authorities of the importing Party may, in the cases of reasonable doubt, request the relevant government authorities of the exporting Party any additional information necessary for the verification of the authenticity of a certificate, as well as the veracity of the information contained therein. This shall not preclude the application of the respective national legislation relating to breach of customs law.

2. Compliance with the request for additional information according to this Article shall only be made with reference to the registers and documents available in Government offices or institutions authorized to issue origin certificates. Copies of the documentation necessary for the issuing of origin certificates can be made available.

3. This Article, however, does not restrain the conclusion of Customs Cooperation Agreements between the Parties.

4. The reasons for the doubts concerning the authenticity of the certificate or the veracity of its data shall be put forward in a clear and concrete way. For this purpose, the consultations thereon shall be carried out by a specific office of the customs authorities designated by each Party.

5. The customs authorities of the importing Party shall not suspend the importation operations of the goods. However, they may deny preferential tariff

treatment, request a guarantee in any of its modalities or may take any action necessary in order to preserve fiscal interests, as a pre-condition for the completion of the importation operations.

6. If a guarantee is required, its amount shall not be higher than the value of the applicable custom duties concerning the importation of the product from third countries, according to the legislation of the importing country.

#### Rule 18

The competent authorities from the exporting Party shall provide the requested information according to Article 17 within thirty (30) days, from the date of the receipt of the request. Such period can be extended through mutual consultation for a period no more than thirty (30) days in justified cases. If this information is satisfactory, the said authorities shall release the importer from the guarantee referred to in Article 17 within thirty (30) days or shall promptly refund the duty paid in excess, in accordance with domestic laws of the Parties.

#### Rule 19

The information obtained under the conditions of the present Chapter shall be confidential in character, in accordance with its law, and shall protect such information from disclosure that could prejudice the competitive position of the persons providing the information. It shall be utilized with a view to clarifying the matter under investigation by the competent authorities of the importing Party as well as during the investigation and legal proceedings.

#### Rule 20

In the cases in which the information requested under Article 17 is not provided within the deadline established in Article 18 or is insufficient to clarify any doubt concerning the origin of the good, the competent authorities of the importing Contracting Party may initiate an investigation on the matter within sixty (60) days, from the date of the request for the information.

#### Rule 21

1. During the period of investigation, the customs authorities of the importing Party shall not suspend new importing operations relating to identical goods from the same exporter or producer. However, they may deny preferential tariff treatment, request a guarantee in any of its modalities or may take any action necessary in order to preserve fiscal interests, as a pre-condition for the completion of new importation operations.

2. The guarantee amount, whenever it is requested, shall be established according to Article 17. (6)

#### Rule 22

The customs authorities of the importing Party shall immediately notify the importer and the competent authorities of the exporting Party of the initiation of the origin investigation, in accordance with the procedures established in Article 23.

#### Rule 23

1. During the investigation proceedings, the competent authorities of the importing Party may:

- (a) request, through the competent authorities of the exporting Party, new information, as well as any copy of the documentation in possession of the certifying offices or authorized institutions which issued the origin certificate under investigation, according to Article 17, which may be deemed necessary for verifying the authenticity of the said certificates and the veracity of the information contained therein. In such a request, the number and the date of the issue of the origin certificate under investigation shall be indicated;
- (b) for the purposes of verification of the contents of the local or regional added value, the producer or exporter shall facilitate the access to any information or documentation necessary for establishing the CIF value of the non-originating goods used in the production of the goods under investigation;
- (c) for the purposes of verification of the characteristics of certain production processes, the exporter or producer shall facilitate the access to any information and documentation that allow the confirmation of such processes;
- (d) send to the competent authorities of the exporting Party a written questionnaire to be passed on to the exporter or producer, indicating the origin certificate under investigation;
- (e) request to the competent authorities of the exporting Parties to facilitate visits to the premises of the producer, with a view to examining the production processes, as well as the equipment and tools utilized in the manufacture of the product under investigation;
- (f) the competent authorities of the Contracting Party shall accompany the authorities of the importing Contracting Party in their above-mentioned visit, which may include the participation of specialists who shall act as observers. Each Party could designate specialists, who shall be neutral and have no interest whatsoever in the investigation. Each Party may deny the participation of such specialists whenever the latter represent the interests of the companies or institutions involved in the investigation;
- (g) once the visit is concluded, the participants shall subscribe the minutes of it, in which it shall be indicated that it was carried out according to the conditions established in these Rules. The said minutes shall contain, in addition, the following information: date and place of the carrying out of the visit; identification of the origin certificates which led to the investigation; identification of the goods under investigation; identification of the participants, including indications of the organs and institutions to which they belong; a visit report;
- (h) the exporting Party may request the postponement of a verification visit for a period not more than thirty (30) days; and
- (i) carry out other actions as agreed upon between the Parties involved in the case under investigation.

**Rule 24**

The competent authorities of the exporting Party shall provide the information and documentation requested according to Article 23(a) and d), within thirty (30) days from the date of the receipt of the request.

**Rule 25**

Regarding the proceedings as foreseen in Article 23, the competent authorities of the importing Party may request the competent authority of the exporting Party the participation or advice of specialists concerning the matter under investigation.

**Rule 26**

In the cases in which the information or documentation requested to the competent authorities of the exporting Party is not produced within the stipulated deadline, or if the answer does not contain enough information or documentation for determining origin, the authenticity or veracity of the origin certificate under investigation, or still, if the producers do not agree to the visit, the competent authorities of the importing Party may consider that the products under investigation do not fulfil the origin requirements, and may, as a result deny preferential tariff treatment to the products mentioned in the origin certificate under investigation according to Article 20, and thus conclude such investigation.

**Rule 27**

1. The competent authorities of the importing Party shall engage to conclude the investigation in a period not more than ninety (90) days, from the date of the receipt of all the information requested in accordance with Article 23.

2. If it is considered that new investigative actions or the presentation of more information are necessary, the competent authorities of the importing Party shall communicate the fact to the competent authorities of the exporting Party. The term for the execution of such new actions or for the presentation of additional information shall be not more than ninety (90) days, from the date of the receipt of all the additional information, according to Article 23.

3. If the investigation is not concluded within ninety (90) days after all the information has been provided, the importer shall be released from the payment of the guarantee, regardless of the continuation of the investigation. Duties paid in excess shall be promptly refunded in accordance with the domestic legislation of the Parties.

**Rule 28**

1. The customs authorities of the importing Party shall inform the importers and the competent authorities of the exporting Party of the conclusion of the investigation process, as well as the reasons that led to its decision.

2. The customs authority of the importing Party shall grant the competent authority of the exporting Party, access to the investigation files, in accordance with its legislation.

**Rules 29**

During the investigation process, occasional modifications in the manufacturing conditions made by the companies under investigation shall be taken into account for future shipments.

**Rule 30**

Once the investigation for the qualification of the origin concludes with a determination in favour of the importer, the importer shall be released from the guarantees requested in Articles 17 and 21, within no more than thirty (30) days or shall be promptly refunded the duties paid in excess in accordance with the domestic legislation of the Parties.

**Rule 31**

1. Once the investigation establishes the non-qualification of the origin criterion of the goods contained in the origin certificate, the duties shall be levied as if the goods were imported from third countries and the sanctions foreseen in this Agreement and/or the ones foreseen in the legislation in force in each Party shall be applied.

2. In such a case, the competent authorities of the importing Party may deny preferential tariff treatment to new imports relating to identical good from the same producer, until it is clearly demonstrated that the manufacturing conditions were modified so as to fulfil the origin requirements of the Rules of Origin of .

3. Once the competent authorities of the exporting Party has sent the information demonstrating that the manufacturing conditions were modified and goods fulfil the origin criterion, the competent authorities of the importing Party shall have forty five (45) days, from the date of the receipt of the said information, to communicate its decision there upon, or a maximum of ninety (90) days if a new verification visit to the producer's premises, according to Article 23 (e), is deemed necessary.

4. If the competent authorities of the importing and the exporting Parties fail to agree on the demonstration of the modification of the manufacturing conditions, they may make use of the Dispute Settlement Procedure established as per Article XVIII of the Preferential Trade Agreement between the Republic of India and the Republic of Chile.

**Rule 32**

1. A Party may request another Party to investigate the origin of a good imported by the latter from other Party, whenever there are well-founded reasons for suspecting that its products undergo competition from imported products with preferential tariff treatment which do not fulfil the Origin Rules of this Agreement.

2. For such purposes, the competent authorities of the Party requesting the investigation shall bring to the notice of the authorities of the importing Party the relevant information within forty five (45) days, from the date of the request. Once

this information is received, the importing Contracting Party may initiate the proceedings established in this Rules, giving notice of this to the Party that requested the initiation of the investigation.

#### Rule 33

The proceedings of verification and control of origin as foreseen in these Rules may also apply to the goods already cleared for home consumption.

#### Rule 34.

1. Within sixty (60) days, from the receipt of the communication as provided in Article 28 or in the third paragraph of Article 31, in case the measure is inconsistent, the exporting Party may request for consultation to the Committee, stating the technical and legal reasons that would indicate that the measure adopted by the competent authorities of the importing Party are not consistent with these Rules; and/or request a technical advice with the aim of establishing whether the goods under investigation fulfil the origin rules of this Agreement.

#### Rule 35

The time periods set in these Rules shall be calculated on a consecutive day basis as from the day following the fact or event which they refer to.

#### Rule 36 Penalties

Each Party shall adopt or maintain measures that provide for the imposition of civil, administrative, and, where appropriate, criminal sanctions for violations of its customs laws and regulations, including those governing tariff classification, customs valuation, rules of origin, and the entitlement to preferential tariff treatment under this Agreement.

#### Appendix

#### CERTIFICATE OF ORIGIN Printing instructions

1. Each form shall measure 210 x 297 mm; a tolerance of up to minus 5 mm or plus 8 mm in the length may be allowed. The paper used must be white, sized for writing, not containing mechanical pulp and weighing not less than 25 g/m<sup>2</sup>.

2. The competent governmental authorities of Chile and India may reserve the right to print the forms themselves or may have them printed by approved printers. In the latter case, each form must include a reference to such approval. Each form must bear the name and address of the printer or a mark by which the printer can be identified. It shall also bear a serial number, either printed or not, by which it can be identified.

#### Procedure for completion

The exporter shall fill out both the certificate of origin and the sworn declaration. These forms shall be completed in English in which this Agreement is drawn up and in accordance with the provisions of the domestic law of the exporting country. If they are hand-written, they shall be completed in ink in printed characters.

## NOTES

1. The certificate must not contain erasures or words written over one another. Any alterations must be made by deleting the incorrect particulars and adding any necessary corrections. Any such alteration must be initialed by the person who completed the certificate and endorsed by the competent governmental authority of the issuing country.
2. No spaces must be left between the items entered on the certificate and each item must be preceded by an item number. A horizontal line must be drawn immediately below the last item. Any unused space must be struck through in such a manner as to make any later additions impossible.
3. Goods must be described in accordance with commercial practice and with sufficient detail to enable them to be identified.

CERTIFICATE OF ORIGIN

		Serial Number:			
1. Exporter ( <i>name, full address, Country</i> ) ID No.		2. Producer ( <i>name, full address, Country</i> ) ID No.			
3. Importer ( <i>name, full address, country</i> )		4. Observations			
5. Port of Shipment		6. Country of origin			
7. Description of Goods (1); Marks and numbers; Number and kind of packages (2).		8. HS Number (Six Digit Code)]	9. Gross mass (kg) or other measure (liters, m <sup>3</sup> , etc.)	10. Origin Criterion (3)	11. Invoices (N° and date and Value)
12. COMPETENT GOVERNMENTAL AUTHORITY ENDORSEMENT Declaration certified  Competent governmental office: .....  Issuing country: .....  Stamp.  Place and date .....		13. DECLARATION BY THE EXPORTER I certify that: <ul style="list-style-type: none"> <li>• The information on this document is true and accurate and I assume the responsibility for providing such representations. I understand that I am liable for any false statements or material omission made on or in connection with this document.</li> <li>• I agree to maintain and present upon request, documentation necessary to support this certificate, and to inform, in writing, all persons to whom the certificate was given of any changes that could affect the accuracy or validity of this certificate.</li> <li>• The goods originated in the territory of the Parties, and comply with the origin requirements specified for those goods in Chile-India PREFERENTIAL TRADE AGREEMENT, and there has been no further production or any other operation outside the territories of the Parties in accordance with Section II Rule 3 N° 1 of the Agreement.</li> </ul> Place and Date ..... ..... (Signature)			

1. The description of the products must be given in the box reserved for this purpose without leaving any blank lines. Where the box is not completely filled, a horizontal line must be drawn below the last line of the description, the empty space being crossed through.
2. If goods are not packed, indicate number of articles or state "in bulk" as appropriate.
3. Origin Criteria (Section II Rule 3 N° 1) for preference

The following goods shall be considered as originating from a Contracting Party:

- (a) The goods wholly produced or obtained in the territory of the Contracting party as defined in Rule 5 of these Rules;
- (b) The goods not wholly produced in the territory of the Contracting Party, provided that the said products are eligible under Rule 6 read with Rule 7 of these Rules.

#### SWORN DECLARATION

1. Producer Individual's name or company name (name, full address, country) ID No.				
2. Observations		3. Country of Origin		
4. Description of Goods, Marks and numbers; Number and kind of packages. (ref (1) and (2) of notes below)	5. HS Number (Six Digit Code)]	6. Gross mass (kg) or other measure (liters, m <sup>3</sup> , etc.)	7. Preference Criterion (s.no.3 of notes below)	8. Invoice (No. and Date) (if known)
<b>DECLARATION BY THE PRODUCER</b> I, the undersigned, producer of the goods described overleaf, <b>DECLARE</b> that the above goods are originating and meet the origin requirements established in this Agreement. <b>UNDERTAKE</b> to submit, at the request of the appropriate authorities, any supporting evidence which these authorities may require for the purpose of issuing a certificate of origin, and undertake, if required, to agree to any inspection of my accounts and to any check on the processes of manufacture of the above goods, carried out by the said authorities; <b>REQUEST</b> the issue of a certificate of origin for these goods.				
(Place and date)				
.....  (Signature)				

- (1) The description of the products must be given in the box reserved for this purpose without leaving any blank lines. Where the box is not completely filled, a horizontal line must be drawn below the last line of the description, the empty space being crossed through

Information relating to the good to be exported, which must indicate:

- i) materials, components and/or parts originating from the exporting Contracting Party;
- ii) materials, components and/or parts originating from the other Party indicating:
  - origin;
  - tariff classification (at least 6 level digit);
  - CIF value, in United States of America dollars;
  - Percentage on the total value of the final product.

- iii) non-originating materials, components and/or parts indicating:
  - Exporting Country;
  - tariff classification (at least 6 level digit);
  - CIF value, in United States of America dollars;
  - Percentage on the total value of the final product.

- iv) description of the manufacturing process

(2) If goods are not packed, indicate number of articles or state "In bulk" as appropriate.

(3) Preference Criteria (Section II Rule 3 No. 1)

The following goods shall be considered as originating from a Contracting Party:

- (a) The goods wholly produced or obtained in the territory of the Contracting party as defined in Article 5 of these Rules;
- (b) The goods not wholly produced in the territory of the Contracting Party, provided that the said products are eligible under Rule 6 read with Rule 7 these Rules.

[F. No. 467/80/2004-Cus. V/ICD]

S. P. RAO, Under Secy.